Curriculum and Credit Framework

As per NEP 2020

For

M.A. Hindi

(To be effective from the Academic Session 2024-2026)

Department of Indian Knowledge and Languages

Gurugram University, Gurugram (A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

Pages 01 to 35

Meenakshi

1. Scheme of Programme

(Scheme PG A1: Postgraduate Programmes (Course work only)

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L Credits	T Credits	P Credits	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
	Core Course(s)													
CC-A01	आधुनिक हिंदी कविता	241/HIN/CC 101	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A02	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)	241/HIN/CC 102	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A03	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	241/HIN/CC 103	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
	Discipline Specific Elective Courses													
DSE-01	"हिंदी लोकनाट्य" **और** "हिंदी लोक कथा: उद्भव और विकास"	241/HIN/DS E101	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
	Multidisciplinary Course(s)													
MDC-01	हिंदी यात्रा साहित्य	241/HIN/MD 101	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75

	Ability Enhancement Course(s)															
AEC-01	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- I	241/HIN/AE 101	1	1	-	-	-	-	-	2	15	35	-	-	50	
	Value-added Course(s)															
VAC-01	हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा	241/HIN/VA 101	2	-	-	2	-	-	-	**2**	15	35	-	-	50	
Total Credits										**22**						

Semester 2

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A04	आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	241/HIN/CC204	3	1	-	-	-		4	30	70	-	-	100
CC-A05	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	241/HIN/CC205	3	1	-	-	-		4	30	70	-	-	100
CC-A06	भारतीय काव्यशास्त्र	241/HIN/CC206	3	1	-		-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														

Mukesh

DSE-02	"हिंदी भाषा और लोक साहित्य " **और** " हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य"	241/HIN/DS 202	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-02	गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य	241/HIN/M D202	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-02	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति - II	241/HIN/A E202	1	1	-	-	-	-	2	15	35	-	-	50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-01	हिन्दी भाषा का रचनात्मक स्वरूप	241/HIN/SE 201	1	1	-	-	-	-	**2**	15	35	-	-	50
Total Credits									**22**					

Payal

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A07	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-1	241/HIN/CC307	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A08	आधुनिक गद्य साहित्य	241/HIN/CC308	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A09	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	241/HIN/CC309	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-03	"हिंदी भाषा व्यावहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि -1 " **OR** "हिंदी भाषा एवं कोष विज्ञान"	241/HIN/DS303	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-03	भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	241/HIN/MD303	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-02	मौखिक भाषायी दक्षता	241/HIN/SE302	1	1		1	1		**2**	15	35	-	-	50
Value-added Course(s)														

VAC-02	पर्यावरण और हिंदी साहित्य	241/HIN/VA302	2	-	-	2	-	-	**2**	15	35	-	-	50
Seminar														
Seminar	व्यावहारिक एवं प्रायोगिक अनुवाद								**2**					
Internship/Field Activity#														

									4					
Total Credits									**28**					

#Four credits of **Internship/Field Activity** earned by a student during summer **Internship/Field Activity** after 2nd semester will be counted in 3rd semester of a student who pursue 2 year PG Programme without taking exit option.

Semester 4

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Total Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A10	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य -2	241/HIN/CC410	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A11	नाटक एवं रंगमंच	241/HIN/CC411	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-04	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल" **और** "प्रयोजनमूलक हिंदी"	241/HIN/DSE404	2	1	-	-	-		3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														

MDC-04	हिंदी साहित्य: विविध विमर्श	241/HIN/MD 404	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-03	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति – - III	241/HIN/AE4 03	1	1	-	-	-	-	**2**	15	35	-	-	50
Community Engagement/Field Work/Survey/Seminar														
Seminar	**लघु शोध प्रबंध**								**6**	**45**	**105**			**150**
Total Credits									**22**					

Pajal Mukesh

8.

Details of courses

	After 2 years		
	No of courses	**No of creditsper course**	**Total no ofcredits**
Core Courses	11	4	**44**
Discipline specific Elective Courses	4	3	**12**
Multidisciplinary Course	4	3	**12**
Ability Enhancement Courses	4	2	**8**
Skill enhancement Courses	2	2	**4**
Value Added Courses	2	2	**4**
Internship/Project/training	2	4	**8**
Seminar	2	2	**4**
TOTAL			**96**

9.

241/HIN/CC301

SYLLABUS

एम.ए. हिंदी (सेमेस्टर - तृतीय)

CC-A07-प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित परीक्षा:70 अंक

Course ID	241/HIN/CC307	Credit
Course Title	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 1	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1.पृथ्वीराज रासो के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रासो काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

2.विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगम किया जाता है।

3. काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के कार्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

4रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकिता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ-साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगत किया जाता है।

पाठ्यक्रम:

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

- **चन्दरबरदायी** : पृथ्वीराज रासो का पदमावती समय : संपादक माताप्रसाद गुप्त
- **विद्यापति :** विद्यापति की पदावली : संपादक-रामवृक्षबेनीपुरी-(निर्धारित पद)- 1,2,4,8,9,11,12,14,35,38, 62,72,141,144,145,174,176,178,190,191,199(अ),216,252,235,253- कुल 25 पद
- **कबीर** -कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-(निर्धारित अंश) **(I) पाठ्य साखियाँ**- 106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 203, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256

(II) पाठ्य पद- 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207, 209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 125, 247, 250, 253, 254- कुल 25 पद

Rajat Mukesh

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न:

चन्दबरदायी:पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता , पृथ्वीराज रासो का वस्तु-वर्णन , पद्मावती समय का काव्य-सौन्दर्य

विद्यापति :विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि , विद्यापति का श्रृंगार वर्णन , विद्यापति का सौन्दर्यबोध , विद्यापति की गीतियोजना , विद्यापति का काव्य-शिल्प

कबीर:कबीर की सामाजिक विचारधारा , कबीर की निर्गुणोपासना , कबीर की भक्ति , कबीर का दार्शनिक चिन्तन , कबीर की प्रासंगिकता , कबीर का काव्य-शिल्प

पाठ्य पुस्तकें-

1. पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2. चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी एवं हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
3. विद्यापति का सौन्दर्यबोध- डॉ. रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली।
4. विद्यापति : व्यक्ति और कवि-डॉ. रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली
5. कालजयी कबीर- डॉ. हरमेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर।
6. कबीर मीमांसा- डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. कबीर : व्यक्ति, कृतित्व और सिद्धान्त- डॉ. सुरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर।
8. संत कबीर- रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

निर्देश-1.खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2.प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड-ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम में 9 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

241/HIN/CC302

एम॰ए॰ हिंदी

तृतीय सेमेस्टर

CC-AO8-आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक :100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित : 70 अंक

Course ID	241/HIN/CC308	Credit
Course Title	आधुनिक गद्य साहित्य	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1.आधुनिक गद्य-साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।

2.आधुनिक गद्य-साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।

3.आधुनिक गद्य-साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।

4.आधुनिक गद्य-साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।

पाठ्यक्रम:

पाठ्य विषय:

1.**गोदान-** प्रेमचंद उपन्यास

2.**आधे अधूरे** - मोहन राकेश

3.**कथान्तर** - संपा. डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल दिल्ली निर्धारित कहानियाँ-

-उसने कहा था

-कफन

-आकाशदीप

-पत्नी

-गैंग्रीन

-वापसी

-लाल पान की बेगम

4.**निर्धारित निबंध** - मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढ़ते हैं

Ejd Mukesh

12

आलोच्य विषय:

1.गोदान- कृषक जीवन का महाकाव्य , युगीन समस्याओं का निरूपण , प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण , प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

2.कहानी संग्रह- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

3.आधे अधूरे- आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र-चित्रण

4.निबंध- पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प

सहायक ग्रंथ-

1. गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
5. कहानी : नई कहानी- डॉ. रामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
6. हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना।
9. हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम् कानपुर।
10. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद।

निर्देश :

1.खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल पांच अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंकों का होगा।

2.प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। चारो प्रश्न अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक होगा।

~~एम.ए. हिंदी~~

~~सेमेस्टर तृतीय~~

एम० ए० हिंदी 241/HIN/CC303
सेमेस्टर तृतीय

CC-AO9 पाश्चात्य काव्य शास्त्र

पूर्णांक : 100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित : 70 अंक

Course ID	**241/HIN/CC309**	**Credit**
Course Title	**पाश्चात्य काव्य शास्त्र**	**4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय देना जिससे साहित्यिक समझ एवं दृष्टि विकसित होती है।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान करना
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के साम्य-वैषम्य और उनके कारणों पर विचार करना।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास का परिचय देना
5. नई समीक्षा के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का साहित्य में महत्त्व और उपादेयता पर विचार करना।
7. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

- प्लेटो : काव्य सिद्धान्त
- अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धान्त
- लोंजाइंस: उदात्त की अवधारणा
- ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
- कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
- टी.एस. इलियट : निर्वैयक्ति का सिद्धांत

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद-

- स्वच्छन्दतावाद
- अभिव्यंजनावाद

Raj Mukesh

- मार्क्सवाद
- फ्रायडवाद

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा- डॉ. तारकनाथ बाली, शब्दकार, दिल्ली
4. आलोचक और आलोचना- बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया- हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन- डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ-सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार- रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 44 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

~~एम.ए. हिंदी~~

~~तृतीय सेमेस्टर~~

एम० ए० हिंदी
तृतीय सेमेस्टर

241/HIN/DS302

15

DSE03-हिंदी भाषा एंव कोश विज्ञान

पूर्णांक : 75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

लिखित : 50 अंक

Course ID	241/HIN/CCDSE303	Credit
Course Title	**हिंदी भाषा एंव कोश विज्ञान**	3

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1.कोश के रूप की सैद्धांतिक जानकारी देना।

2.कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराया जायेगा।

पाठ्यक्रम के परिणाम: :

1.कोश के रूप की सैद्धांतिक जानकारी देन और शब्दकोश, समानान्तर कोश, लोकोक्ति-मुहावरा कोश, सन्दर्भ कोश, आदि के निर्माण की प्रविधि सिखाना

2.कोश विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए अन्य विषयों के अंतरसंबंध।

3.कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराना।

4.कंप्यूटर में कोश विज्ञान की भूमिका को प्रतिपादित करना।

पाठ्यक्रम:

खण्ड क:

कोश : परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध

खण्ड ख:

कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : पाश्चात्य कोश परंपरा, हिंदी कोश साहित्य का इतिहास, हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार , कोश-निर्माण : विज्ञान या कला

खण्ड ग:

कोश-निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप-प्रविष्टयां, संक्षिप्तियां, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ।

खण्ड घ:

Rajat Mukerji

कंप्यूटर और कोश-निर्माण , कंप्यूटर में हिंदी वर्णमाला तथा वर्तनी के मानकीकरण की समस्या

कंप्यूटर में हिंदी की-बोर्ड के विविध रूप , वैव पब्लिशिंग तथा इंटरनेट सामग्री सृजन

सहायक पुस्तकें :

1.हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।

2.भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3.हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

5.अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6.शब्दानुशासन, किशेरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

7.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

Rijal. Mukr.

241/HIN/DS301

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)

DSE03-हिंदी भाषा: व्यवहारिक कौशल एवम अभिवृद्धि

पूर्णांक : 75अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25

लिखित : 50

Course ID	241/HIN/DSE303	Credit
Course Title	हिंदी भाषा: व्यवहारिक कौशल एवम अभिवृद्धि	3

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

हिंदी भाषा, सम्प्रेषण कौशल एवं समीक्षा का व्यवहारिक ज्ञान

हिंदी कमेन्टी (आँखों देखा हाल) की प्रस्तुति हेतु विश्लेषणात्मक ज्ञान।

पाठ्यक्रम के परिणाम: :

हिंदी भाषा, सम्प्रेषण, पुस्तक समीक्षा की सैद्धान्तिक समझ।

आँखों देखा हाल (कमेन्ट्री) के लिए आवश्यक गुण विकसित करना।

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 : सम्प्रेषण का अर्थ , सम्प्रेषण के विविध रूप , सम्प्रेषण के प्रयोजन , सम्प्रेषण की प्रक्रिया

इकाई-2 : पुस्तक समीक्षा से अभिप्राय , पुस्तक समीक्षा का महत्व , अच्छे समीक्षक के गुण

इकाई-3 : आँखों देखा हाल (कमेंट्री):तात्पर्य ,प्रकार एवं उपयोगिता

- आँखों देखा हाल (कमेंट्री) सम्बन्धी आवश्यक बातें
- कमेंट्री की विशेषताएँ , कमेंट्री से पूर्व तैयारी
- विभिन्न प्रकार की कमेंट्री

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Rajat Mukerji

5. अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

241/HIN/MD301

एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर तृतीय

MDC 3-भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

पूर्णांक : 75अंक
आंतरिक लिखित : 50 अंक
मूल्यांकन: 25 अंक

Course ID	**241/HIN/MD303**	**Credit**
Course Title	**भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच**	**3**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1.भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।

2.भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।

3.भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:

1.भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

2.भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

3.भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 :

- नाटक की भारतीय अवधाराणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंध मान्यताएं)

इकाई-2 :

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 :

- अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत

Rajat Mukesh

20

- अरस्तू: विरेचन सिद्धांत
- पाश्चात्य नाट्यरूप: त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप: कॉमेडी , मेलोड्रामा

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच - ईश्वर चंद्र विद्यासागर
2. नाट्यशास्त्र- भरतमुनि (पारंपरिक नाट्य शास्त्र)
3. भारत में रंगमंच - शंकर पाटिल
4. नाट्यशास्त्र और भारतीय रंगमंच - रामचंद्र शुक्ल
5. **पाश्चात्य रंगमंच का इतिहास- एरिक बेनम**

भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच का तुलनात्मक अध्ययन पुस्तकें :

1. Theatre in India: A Historical Perspective- D. S. L. Nair
2. Indian Theatre: A Historical Survey- S. K. Bhattacharya
3. World Theatre: An Introduction- Michael Hinden

निर्देश-1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

Mukesh

241/HIN/SE301

21

एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर तृतीय

SEC-02 मौखिक भाषायी दक्षता

पूर्णांक- 35+15=50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

भाषा की समझ विकसित करना: छात्रों में राजभाषा की गहन समझ विकसित करना ताकि वे सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में इसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

भाषायीदक्षता: विद्यार्थियों को राजभाषा में लिखने, पढ़ने, बोलने और सुनने की दक्षता प्रदान करना।

सांस्कृतिक जागरूकता: राजभाषा के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई -1 भाषायी दक्षता के आयाम

भाषायी दक्षता से तात्पर्य

भाषायी दक्षता का महत्त्व

श्रवण और वाचन

पठन और लेखन

इकाई-2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्त्व

भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)

शब्द-सामर्थ्य - सामान्य एवं तकनीकी शब्द

सुनना और बोलाना- प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

पढ़ना और लिखना- स्वाध्याय और उद्देश्य-केन्द्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

ईकाई-3 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

किसी एक विषय पर- भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप या टिप्पणी

किसी एक विषय का भाव-विस्तार या पल्लवन

द्रुतवाचन- किसी साहित्यिक कृति पर आधारित

निर्देश-1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल छः लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में 7 से वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक ग्रंथ-

कंप्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग, मीडिया डिजाइन एंड एप्लीकेशंस- कीथ कैमेरॉन

भाषा शिक्षण- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

सृजनात्मक साहित्य- रवींन्द्रनाथ श्रीवास्तव

Pajal Mukerji

22

241/HIN/VA301

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)

VAC-02 पर्यावरण और हिंदी साहित्य

पूर्णांक-35+15=50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1.विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।

2.हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना के विषय में बताना।

3.पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रित संबंधों को समझना।

पाठ्यक्रम के परिणाम :

1.विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।

2.हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।

3.पर्यावरण और जीव- जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास

प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा ,महत्तव और विकास की अवधारणा

हिंदी कविता में प्रकृति- **सतपुड़ा के घने जंगल**- भवानीप्रसाद मिश्र

इकाई -2 : कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण

परती परिकथा (निर्धारित अंश) : फनीश्वर नाथ रेणु

- सूखे, कृषि संकट और ग्रामीण समाज के पर्यावरणीय संघर्षों की प्रस्तुति

बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन

- आध्यात्मिकता और पर्यावरण की अंतर्क्रियाएँ
-

इकाई 3 : कथेतर में प्रकृति-चेतना

हल्दी-दूब और दधि-अक्षत" – विद्यानिवास मिश्र

- परंपरा में पर्यावरणीय प्रतीकों की व्याख्या

"आज भी खरे हैं तालाब" (अंश) – अनुपम मिश्र

- पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियाँ और ग्रामीण ज्ञान

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल छः लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक ग्रंथ :

1. राजस्थान की रजत बूँदे- अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
2. विकास और पर्यावरण- सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल- सोपान जोशी, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध- सुभाष शर्मा, प्रकाशन, विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज- अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा- अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड7 हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।

24

241/HIN/CC410

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)
CC-A10- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 2

पूर्णांक:100 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

लिखित : 70 अंक

Course ID	241/HIN/CC410	Credit
Course Title	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 2	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणाम:

1.'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रासो काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।

2.विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न् पक्षों को हृदयगम किया जाता है।

3.मध्यकाल के अन्तर्गत परिगणित भक्तिकाल को साहित्य में 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है। अतः यहाँ पर काव्य जगत् के महान् नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना।

4.रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ-साथ वीर रसात्मक कविताओं के अध्ययन की प्रेरणा को भी अधिगम किया जाता है।

पाठ्यक्रम:

(क) व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

सूरदास:भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल - पाठ्य पद-21 से 70-कुल 50 पद

तुलसीदास:कवितावली : व्याख्या के लिए निर्धारित पद

बालकाण्ड-1 से 7, 17, 20, 22

अयोध्या काण्ड-1, 2, 7, 11, 12, 19 से28

उत्तरकाण्ड- 26 से 60

बिहारी :बिहारी रत्नाकर- सं. जगन्नाथदास रत्नाकर- (निर्धारित दोहे)- 1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38,42, 45, 46, 51, 42, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 782, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 3017, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713-100 दोहे।

(ख) आलोचनात्मक प्रश्न:

सूरदास: भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत , सूर की भक्ति भावना , सूर का श्रृंगार वर्णन , सूर का वात्सल्य वर्णन , सूर की भाषा-शैली , सूर का गीतियोजना , भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

Rajat Mukesh

तुलसीदास: तुलसीदास की भक्तिभावना , तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि , तुलसीदास की प्रासंगिकता , तुलसीदास की समन्वय भावना , कवितावली का काव्य रूप , कवितावली का काव्य सौष्ठव ,तुलसी की लोकमंगल-भावना

बिहारी : सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई , मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी , बिहारी का श्रृंगार वर्णन,बिहारी का सौन्दर्यबोध ,बिहारी की बहुज्ञता , बिहारी का शिल्प पक्ष

सहायक ग्रंथ:

1.तुलसी दर्शन मीमांसा-उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

2.तुलसीदास-चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

3.तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम- डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी, साहित्य संस्थान, रोहतक।

4.तुलसी का मानस- डॉ. मुंशीराम शर्मा, कानपुर

5.सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरिवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।

निर्देश-1.खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2.प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड- ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अकं का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षी को 200 शब्दों में किहीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

Rajesh Mukesh

26

241/HIN/CC402

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)
CCA11-नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक - 100

आंतरिक मूल्यांकन - 30

लिखित - 70

Course Code	CORE COURSE	Credit
Course Title	नाटक एवं रंगमंच	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के अंतर्गत नाटक का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
- विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
- रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय,पाश्चात्य और लोक सांस्कृतिक)

पाठ्यक्रम परिणाम:

- हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान
- प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

पाठ्यक्रम :

खंड क

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन , हिंदी नाटक: उद्भव और विकास, नाटक और रंगमंच का अंत संबंध , हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास , नाटक में दृश्य - श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

खंड – ख

- हिंदी रंगमंच , रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक ,रंग सज्जा, पारसी , रंगमंच , पृथ्वी थियेटर ,नुक्कड़ नाटक इप्टा, नौटंकी प्रमुख संस्थाएं

खंड – ग

पाठ्य पुस्तकें-

1)भारत दुर्दशा:भारतेंदु हरिश्चंद्र

2)अंधा युग : धर्मवीर भारती

3)बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

आलोच्य विषय –

- अंधा युग - नाटक - काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूल संवेदना, नामकरण की सार्थकता , प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
- बकरी - प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता , युगीन परिदृश्य,अभिनेयता
- भारत दुर्दशा- प्रतिपाद्य , प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य अभिनेयता

निर्देश –

1.खड़ क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य-पुस्तक के लिए खंड ग में से निर्धारित आलोच्य विषय में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कोई तीन प्रश्न दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 27 अंकों का होगा।

2. खंड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्ही पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

3. खंड ग में निर्धारित पाठ्य- पुस्तकों में से तीन- तीन अवतरण सन्दर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पांच अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें:

1.रंगमंच बलवंत गार्गी

2. हिंदी रंगमंच का इतिहास चंदूलाल दुबे

3. नाटक के रंगमंच प्रतिमान वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

4. रंगदर्शन नेमिचंद्र जैन

5.भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास लक्ष्मीनारायण लाल

6. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच नेमिचंद्र जैन

7. भारतेंदु की नाट्य कथा प्रेमनारायण शुक्ल

8. भारतेंदु युगीन नाटक: सन्दर्भ सापेक्षता रमेश गौतम

9. अंधा युग और भारती के अन्य नाटक प्रयोग जयदेव तनेजा

Rajat Mukesh

28

241/HIN/DS401

एम.ए. हिंदी (सेमेस्टर चतुर्थ)

DSE04- हिंदी भाषा एवम तकनीकी कौशल

पूर्णांक:75 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID	241/HIN/DSE404	Credit
Course Title	**हिंदी भाषा एवम तकनीकी कौशल**	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य-

विभिन्न प्रकार के पत्रों (सरकारी-अर्द्धसरकारी एवं व्यावहारिक पत्र) का विश्लेषणात्मक एवं कौशलपरक ज्ञान।

जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय।

पाठ्यक्रम परिणाम:

पत्र लेखन तथा सरकारी तथा प्राइवेट कार्यालय में कार्य करने के अनुरूप कौशल प्रदान करना।

विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रोफाइल लेखन सम्बन्धी कौशल प्रदान करना।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई-1 - कार्यालयी आदेश ,कार्यालयी ज्ञापन, पल्लवन ,संक्षेपण ,अधिसूचना एवं संकल्प ,प्रारूप (मसौदा लेखन) drafting

इकाई-2:पत्र लेखन-प्रयोजन और प्रकार (औपचारिक एवं अनौपचारिक) , सरकारी पत्र , अर्द्ध सरकारी पत्र , व्यावसायिक पत्र ,निमंत्रण पत्र ,बधाई पत्र

इकाई-3:विज्ञापन का अर्थ और परिभाषा , विज्ञापन के प्रकार (मुद्रित, रेडियो, टेलीविजन) , विज्ञापन का वर्गीकरण (निश्चित पाठक-श्रोता, दर्शक वर्ग, भौगोलिक क्षेत्र, प्रयुक्त विज्ञापन माध्यम)

इकाई-4:अनुवाद : परिभाषा अर्थ एवं स्वरूप , अनुवाद का महत्त्व ,अनुवाद के प्रकार ,अनुवाद के क्षेत्र ,अनुवाद की उपयोगिता

उपयोगी पुस्तकें-

1. राजभाषा हिंदी- कैलाश चंद भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी- महेश चंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप- वाणी प्रकाशन हिंदी, नई दिल्ली
4. व्यवहारिक पत्र-लेखन कला- डॉ. डी.एस. पोखरिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

5. प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी- डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली

6. व्यावसायिक हिंदी- डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

7. जनमाध्यम और पत्रकारिता, प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर

8. पत्रकार कला, विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी, प्रकाशन, कानपुर

9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रविधि- किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली

10. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण- प्रो. हरिमोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

11. अनुवाद अध्ययन का परिदृश्य देवीशंकर नवीन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

Rajul Mukesh

241/HIN/DS402

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

DSE04-प्रयोजनामूलक हिंदी

पूर्णांक:75

आंतरिक मूल्यांकन : 25

लिखित अंक : 50

Course ID	241/HIN/DSE404	Credit
Course Title	प्रयोजनामूलक हिंदी	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

1. छात्रों को इस बात की समझ देना कि प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्व क्या है और इसका उपयोग कहाँ-कहाँ होता है।

2. छात्रों में भाषा कौशल जैसे सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास करना।

3. कार्यस्थल पर हिंदी के प्रभावी उपयोग के लिए छात्रों को तैयार करना, जैसे सरकारी दफ्तरों, मीडिया, प्रबंधन और तकनीकी क्षेत्रों में।

4. अनुवाद के सिद्धांतों और तकनीकों का ज्ञान प्रदान करना ताकि छात्र विभिन्न भाषाओं से हिंदी में अनुवाद कर सकें और हिंदी से अन्य भाषाओं में अनुवाद कर सकें।

पाठ्यक्रम परिणाम:

1.छात्रों को हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान होगा जिससे वे इसे विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग कर सकेंगे।

2. सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने में दक्षता प्राप्त करेंगे।

3.छात्र अनुवाद करने में सक्षम होंगे और इसके विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे।

4.छात्र प्रभावी संवाद करने में सक्षम होंगे और विभिन्न संप्रेषण तकनीकों का उपयोग कर सकेंगे।

इकाई -1 : प्रयोजनामूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र

- अर्थ-विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- पारिभाषिक शब्दावली का निर्धारण एवं सामान्य विशेषताएँ, वर्गीकरण
- भारतीय भाषाएँ , मौखिक और लिखित भाषा का स्वरूप, अंतर
- लिपि-वर्तनी का मानक रूप , शब्द संपदा और उसका मानकीकरण , आधारभूत वाक्य संरचना

Mukesh

इकाई-2 : जनसंचार में हिंदी - जनसंचार माध्यम : विविध आयाम , विज्ञापन और हिंदी , संपादन कला

इकाई- 3 : वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ ,वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली ,वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

इकाई- 4 : प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पणी, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें:

1.हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया

2.प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया

3.भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : संपादक पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमारी तिवारी

4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति जितेन्द्र वत्स

5.हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : पूरनचंद टंडन

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक खंड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा

Rajat Mukesh

32

241/HIN/MD401

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

MDC- 04 हिंदी साहित्य: विविध विमर्श

पूर्णांक-50+25=75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1.हिंदी साहित्य में विभिन्न साहित्यिक विमर्शों की समझ विकसित करना।

2. संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, पाठक-प्रतिक्रिया सिद्धांत, नारीवाद, दलित विमर्श, आदि आधुनिक आलोचनात्मक दृष्टिकोणों का परिचय एवं अध्ययन।

3. सांस्कृतिक अध्ययन एवं उत्तर-औपनिवेशिक दृष्टिकोणों का हिंदी साहित्य में प्रयोग एवं महत्व।

4. विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के साहित्यिक पाठों का तुलनात्मक अध्ययन और उनका हिंदी साहित्य में योगदान।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम:

1. विद्यार्थी आलोचनात्मक सिद्धांतों की मदद से हिंदी साहित्य के पाठों का विश्लेषण और मूल्यांकन कर सकेंगे।

2.नारीवाद, दलित विमर्श, उत्तर-औपनिवेशिक और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे विविध विमर्शों की गहरी समझ विकसित होगी।

3. विद्यार्थी तुलनात्मक साहित्य के माध्यम से हिंदी साहित्य का विश्लेषण अन्य भाषाओं और संस्कृतियों के संदर्भ में कर सकेंगे।

4. विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक रूप में शोध, लेखन और साहित्यिक आलोचना में प्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी अवधारणा

दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन: 1) महात्मा ज्योतिबा फूले का वैचारिक संघर्ष

2) डॉ अंबेडकर : मुक्ति संघर्ष के विविध आयाम

स्त्री विमर्श: अवधारणाएं और मुक्ति आंदोलन : 1) स्त्री विमर्श की अवधारणाएं

2) पाश्चात्य सन्दर्भ

3) भारतीय सन्दर्भ

4) स्त्री विमर्श मुक्ति आंदोलन

इकाई 2 : विमर्श मूलक कथा साहित्य

नासीरा शर्मा - खुदा की वापसी (केवल आलोचनात्मक प्रश्न)

Rajesh Mukesh

- **खुदा की वापसी : एक परिचय**
- **नासीरा शर्मा : जीवन परिचय**
- **खुदा की वापसी की मूल संवेदना**
- **खुदा की वापसी का सारांश**

इकाई 3 : विमर्श मूलक कविता

1. **दलित कविता :** अछूत आनंद : दलित कहां तक पड़े रहेंगे
   माता प्रसाद : सोनवा का पिंजरा
2. **स्त्री कविता :** कीर्ति चौधरी: सीमा रेखा
   कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चंपा

इकाई - 4 : विमर्श मूलक अन्य गद्य विधाएं

प्रभा खेतान : अन्य से तक अनन्या - पृष्ठ 28- 42(केवल आलोचनात्मक प्रश्न)

- **अन्या से अनन्या : एक परिचय**
- **प्रभा खेतान : जीवन परिचय**
- **अन्या से अनन्या की मूल संवेदना**
- **अन्या से अनन्या का सारांश**

तुलसीराम : मुर्दहिया - चौधरी चाचा से प्रारंभ: पृष्ठ संख्या 125 से 135 (केवल आलोचनात्मक प्रश्न)

- **मुर्दहिया : एक परिचय**
- **तुलसीराम : जीवन परिचय**
- **मुर्दहिया की मूल संवेदना**
- **मुर्दहिया का सारांश**

निर्देश-1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक **इकाई** में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक ग्रंथः

1. सिमोन द बोउवा - स्त्री उपेक्षिता

2. गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले
3. अंबेडकर रचनावली- भाग-1
4. प्रभा खेतान - उपनिवेश में स्त्री
5. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा- सुधा सिंह
6. मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अंबेडकर
7. शिकंजे का दर्द - सुशीला टांकभौरे
8. जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि
9. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- शरण कुमार लिंबाले
10. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- ओमप्रकाश बाल्मीकि
11. दलित आंदोलन का इतिहास- मोहनदास नैमिशराय
12. नारीवादी राजनीति- जिनी निवेदिता
13. हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ- रजत रानी 'मीनू'
14. औरत होने की सजा- अरविंद जैन
15. आदिवासी अस्मिता का संकट- रमणिका गुप्ता

241/HIN/AE401 35

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

AEC- 03 हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- III

पूर्णांक- 35+15=50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:1. हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन कौशल को विकसित करना।
2. छात्रों में रचनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ाना।
3. विभिन्न लेखन शैलियों का अध्ययन करना और उन्हें समझना।
4. भाषा के साथ खेलने और विभिन्न विचारों को व्यक्त करने के लिए आत्म-विश्वास को बढ़ाना।

पाठ्यक्रम के परिणाम:1. छात्र रचनात्मक अभिव्यक्ति में सुधार कर सकेंगे।
2. विभिन्न लेखन प्रक्रियाओं का प्रयोग कर सकेंगे, जैसे कि निबंध लेखन, कविता लेखन, और कहानी लेखन।
3. भाषा का सही उपयोग करके स्पष्ट और प्रभावशाली रचनाएँ लिख सकेंगे।
4. अपने रचनात्मक प्रकल्पों के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को समझाएंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई - 1 : गद्य की आधुनिक विधाओं का लेखन और रचनाशीलता
संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और रचनाशीलता
संवाद लेखन और रचनाशील धर्म
रिपोतार्ज लेखन, डायरी लेखन, जीवनी लेखन आदि में रचनाशीलता

इकाई - 2 : श्रव्य माध्यम लेखन (आकाशवाणी)
समाचार लेखन और प्रस्तुतीकरण
आकाशवाणी नाटक लेखन प्रविधि और भेद
आकाशवाणी की हिंदी भाषा का स्वरूप

इकाई - 3 : दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन) लेखन
धारावाहिक स्वरूप, लेखन
दूरदर्शन चलचित्र (टेलीफिल्म)
दूरदर्शन का विज्ञापन और उसकी हिंदी भाषा
दूरदर्शन के दृश्य-श्रव्य तत्वों का सामंजस्य
हिंदी के समक्ष दूरदर्शन संबंधी चुनौतियाँ

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक **इकाई** में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल छः लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिंदी रचनात्मक लेखन- राघवेंद्र पांडेय
2. रचनात्मक लेखन के सिद्धांत- नामवर सिंह
3. सृजन और अभिव्यक्ति - मैनेजर पाण्डेय
4. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ. शिवकुमार मिश्र